दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
17 May 2025 - DB Lucknow 17 May 202515

अमेठी की उड़ान को नई ऊंचाई: एयरकमोडोर विपुल सिंह ने संभाला निदेशक का कार्यभार

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी को 18 साल बाद पूर्णकालिक निदेशक और 25 करोड़ का अनुदान

भास्कर ब्यूरो

अमेठी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (IGRUA), फुरसतगंज, अमेठी को 18 साल बाद पूर्णकालिक निदेशक मिल गया है। एयरकमोडोर विपुल सिंह ने 15 मई 2025 को निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। इसके साथ ही, अकादमी को वर्ष 2014 के बाद पहली बार 25 करोड़ रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा के संसद में प्रभावी भाषण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के 10 साल के कार्यकाल में यह मांग अधूरी रही, वहीं श्री शर्मा ने एक भाषण के जरिए इस मुद्दे को राष्ट्रीय पटल पर रखा और सफलता हासिल की। स्थानीय निवासियों और अकादमी से जुड़े लोगों ने इस कदम को ऐतिहासिक बताते हुए सांसद शर्मा की सराहना की है। IGRUA के निदेशक के रूप में विपुल सिंह के नेतृत्व और नए अनुदान से अकादमी को नागरिक उड़ान प्रशिक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने की उम्मीद है।

विपुल सिंह बनाये गये इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के नये निदेशक

नैतिक आवाज संवाददाता

फुरसतगंज अमेठी। भारत सरकार ने भारतीय वायुसेना के विमानन प्रशिक्षण क्षेत्र में कुशल एवं अनुभवी फाइटर पायलट एयर कमोडोर विपुल सिंह को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के निदेशक पद पर नियुक्त किया है। विपुल सिंह ने 15 मई को कार्यवाहक निदेशक एवं कुलपति प्रो डा0 भृगुनाथ सिंह से कार्यभार ग्रहण कर लिया। एयर कमोडोर श्री विपुल सिंह को 14 दिसंबर 1991 को भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर कमीशन मिला था। 04 जून 12 से वह एक प्रमुख उड़ान प्रशिक्षण प्रतिष्ठान में मुख्य प्रशिक्षक (उड़ान) के पद पर कार्यरत हैं। वह हजारों घंटे की उड़ान के अनुभव के साथ श्रेणी पी योग्य उड़ान प्रशिक्षक हैं। उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन की कमान भी संभाली है, और फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर स्कूल में डायरेक्टिंग स्टाफ के तौर पर काम किया है। वह उस टीम के प्रमुख सदस्य थे जिसने नई फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर स्कूल की किताबें तैयार की थीं। वायु सेना मुख्यालय में संयुक्त निदेशक के तौर पर वह भारतीय वायु प्रकाशन के संशोधन के लिए जिम्मेदार थे। वह ऑस्ट्रेलियाई स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र और भारतीय वायुसेना के पूरे फाइटर स्टीम में सबसे अनुभवी फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर रहे हैं, जिन्होंने किरण, इस्क्रा और एचपीटी विमानों पर हजारों घंटे उड़ान भरी है। उनके विशाल अनुभवी नेतृत्व में यह संस्थान उच्च गौरव प्राप्त करेगा।